भव्य बनेगा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

आएगी 2202 करोड़ की लागत, द्वारका सेक्टर-3 में एनएसयूटी के विस्तार की योजना पर काम शुरू

मनीषा गर्ग • पश्चिमी दिल्ली

विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के बाद अब द्वारका सेक्टर-3 स्थित नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी) के विस्तार की योजना पर काम शुरू हो गया है। फिलहाल, एनएसयूटी में चार हजार छात्र पढ़ रहे हैं। आने वाले पांच साल के भीतर इनकी संख्या 12 हजार तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा कई नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की दिशा में काम शुरू हो गया है। छात्रों की संख्या बढ़ाने से पूर्व बुनियादी संरचना को बढ़ाना ज्यादा जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए एनएसयूटी के विस्तार के लिए 2202 करोड़ रुपये की परियोजना बनाई गई है। यह विस्तार अलग-अलग चरणों में होगा। पहले चरण के लिए 202 करोड़ रुपये का टेंडर पास हो गया है। मौजूदा संरचना का भी नवीनीकरण किया जा रहा है, ताकि छात्रों को अत्याधुनिक शिक्षा मिल सके। इसके तहत लैब में नए उपकरण व एसी लगाए जा रहे हैं। हाल ही में कंप्यूटर लैब के लिए 750 कंप्यूटर खरीदे गए हैं। अधिकारियों व कॉलेज प्रशासन के मुताबिक आने वाले समय में एनएसयूटी न सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि आधारभूत संरचना के मामले में भी देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक होगा।

द्वारका स्थित नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय • जागरण

विश्वविद्यालय में बनाई जाएंगी 11 स्मार्ट कक्षाएं : पहले चरण में 202 करोड़ रुपये की लागत से ग्राउंड व छह मंजिल वाले छह शैक्षिक ब्लॉक बनाए जाएंगे। विश्वविद्यालय में 11 स्मार्ट कक्षाएं बनाई जाएंगी। इसके लिए अलग से 25 करोड़ रुपये का टेंडर पास किया गया है। उम्मीद है कि 3 जुलाई को विश्वविद्यालय के ओरियंटेशन सत्र के दौरान उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इस परियोजना का उद्घाटन कर दें। इसके बाद इस साल के अंत तक इनके निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। इन इमारतों को पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। यानी इनमें सोलर पैनल, वर्षा जल संचयन प्रणाली, एसटीपी प्लांट लगे होंगे।

विदेशी छात्रों के लिए छात्रावास : विश्वविद्यालय में फिलहाल 1500 छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा है, जिसमें फिलहाल 300 लड़कियां व 1200 लड़के रह रहे हैं पर छात्रावास का ढांचा काफी पुराना है। इनमें एसी की व्यवस्था नहीं है। भविष्य में देश-विदेश से छात्र विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए आएंगे। ऐसे में उनके समक्ष विश्वविद्यालय की बेहतरीन व अत्याधुनिक छवि प्रस्तुत हो, इसके लिए विदेशी छात्र व छात्राओं के लिए अलग से छात्रावास के निर्माण की योजना तैयार की गई है। इसके तहत 50-50 छात्रों के रहने की व्यवस्था की जाएगी। फिलहाल, इस परियोजना का टेंडर अब तक पास नहीं हुआ है।

> विश्वविद्यालय के विस्तार के बाद कई छात्रों को शिक्षा का लाभ मिलेगा। इस साल के अंत तक कई योजनाओं पर काम शुरू हो जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय के नवीनीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। अगले साल तक कई नए पाठ्यक्रम भी शुरू हो जाएंगे।
>
> प्रो. जय प्रकाश सैनी, कुलपति, एनएसयूटी

2000 करोड़ की परियोजना

इस परियोजना का खाका तैयार कर बजट के लिए मंत्री के पास फाइल जा चुकी है। अधिशासी अभियंता प्रदीप देसवाल ने बताया कि इस परियोजना के तहत 10 लाख वर्ग फुट जगह पर नौ मंजिला दो शैक्षिक इमारत बनाई जाएंगी। इसके अलावा 21 मंजिला सात छात्रावास बनाए जाएंगे, जिसमें तीन इमारतें लड़कियों व चार लड़कों के लिए होंगी। हर इमारत में 480 छात्रों के रहने की व्यवस्था होगी। इस लिहाज से कुल 3360 छात्रों के लिए छात्रावास में सुविधा का प्रबंध होगा। साथ ही सात हजार वर्ग फुट में विभिन्न इंडोर खेल के लिए वातानुकूलित स्टेडियम बनाए जाएंगे।

आउटडोर खेल के लिए भी स्टेडियम बनाए जाएंगे। फिलहाल, विश्वविद्यालय में क्रिकेट, फुटबॉल व 400 मीटर दौड़ के लिए मैदान, बॉस्केट बॉल, लॉन टेनिस की व्यवस्था है। 2500 सीट वाला ऑडिटोरियम बनाया जाएगा। फिलहाल, विश्वविद्यालय में दो ऑडिटोरियम है, जिसमें एक 300 और दूसरा में 158 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। छोटे-बड़े आकार के कन्वेंशन हॉल बनाएं जाएंगे। इसमें प्रशासनिक इमारत शामिल है।